Date
13/04/2020

Subject - Gender, School and Society
Topic - संरचनावादी सिद्धान्त

B.Ed. 2nd year
Period - 4th

13-04-2020 11:42

(3) सामाजिक क्रिया का सिद्धान्त

सिद्धान्त के जनक - टालकॉट पारसन्स
सिद्धान्त का आधार - संरचना

टालकॉट पारसन्स ने सामाजिक व्यवस्था को दो स्तरो पर देखा (i) संरचना के स्तर पर
(2) प्रकार्य के स्तर पर

सामाजिक क्रिया :- सामाजिक क्रिया वह क्रिया है जो दो व्यक्तियो के सामाजिक सम्बन्धो पर आधारित क्रिया या व्यवहार है।

पारसन्स का यह सिद्धान्त समाज मे व्यक्तियो के लिंग भेद के अनुसार व्यवहार की क्रिया विधि को स्पष्ट करता है। पारसन्स के अनुसार व्यक्ति एवं व्यवस्थाओ के बीच एक प्रकार की अन्त: निर्भरता का सम्बन्ध पाया जाता है। पारसन्स ने सामाजिक व्यवस्था की तीन संरचनाओ का वर्णन किया है।

(i) सामाजिक संरचना
(ii) सांस्कृतिक संरचना
(iii) व्यक्तित्व की संरचना

अन्त मे इन तीन सरचनाओ के अतिरिक्त जैविक व्यवस्था को भी स्थान दिया गया।

4. कार्लमार्क्स संरचना

कार्ल मार्क्स के सिद्धान्तानुसार - सामाजिक परिवर्तन वर्ग संघर्ष द्वारा ही सम्भव होता है तथा

वर्ग संघर्ष का आधार सामाजिक संरचना है।

सामाजिक संरचना के मुख्यत: दो तत्व है -

(i) आधारभूत संरचना

(ii) आश्रित संरचना

आधारभूत संरचना

कार्लमार्क्स ने समस्त उत्पादन प्रणाली को आधारभूत संरचना माना है। जिसे मार्क्स ने दो उपभागो मे बाटां है।

(i) उत्पादन के साधन :- इसके अन्तर्गत भूमि, प्रौद्योगिकी एवं अन्य पूँजी सामग्री सम्मिलित है।

(ii) उत्पादन के सम्बन्ध मे :- इसके अन्तर्गत उत्पादन की प्रक्रिया से जुडे विभिन्न वर्ग के लोगो बीच का सम्बन्ध आता है। मार्क्स के अनुसार, जब तक समाज मे वर्ग विभाजन व शोषण है तब तक संघर्ष का सिलसिला जारी रहेगा।

आश्रित संरचना

सरकार, धर्म, परिवार, आदर्श, दर्शन, इत्यादि आधारभूत संरचना पर आश्रित संरचना अंग कहलाते है।

13-04-2020 11:42

13-04-2020 11:42

5. डेविस एवं मोर का संरचनावादी प्रकार्यवादी सिद्धान्त

विचारधारा के प्रमुख प्रवर्तक ⇒ किंगजली डेविस एवं विल्बर्ट मोर

आधार ⇒ सामाजिक स्तरण

विचारधारा की प्रमुख तीन मान्यताएं ⇒

(i) प्रत्येक समाज किसी न किसी तरह का स्तरण अवश्य पाया जाता है।

(ii) प्रत्येक समाज मे लगभग समान प्रकार से विभिन्न स्तरो के बीच प्रतिष्ठा का बटंवारा है।

(iii) विभिन्न समाजो के बीच सामाजिक स्तरण के स्वरूप मे भिन्नताएं है।

उदाहरण - सरल समाज मे स्तरण उम्र एवं लिंग के आधार पर एवं जटिल समाज मे इसका आधार शिक्षा, वैयक्तिक गुण, सम्पत्ति इत्यादि होते है।

डेविस एवं मोर के सिद्धान्तानुसार ⇒ किसी भी समाज मे सभी व्यक्ति समान स्तर के नही हो सकते। समानता की भी अपनी एक सीमा होती है। समान स्तर के लोगो से समाज का निर्माण नही हो सकता। सामाजिक असमानता समाज के लिए नितान्त आवश्यक है। एवं व्यवस्थित सामाजिक सरंचना के लिए विभिन्न प्रकार के प्रकार्यों की आवश्यकता है। क्योंकि समाज मे प्रत्येक व्यक्ति मे इतनी क्षमता नही होती कि वह सभी कार्यों को कर सकें।

Complete

[signature]